ORDINANCES, TEST OUTLINES, SYLLABI and READING COURSES

For

B.A. Part I
(Semester I & II)

Academic Sessions
2025–26 and 2026–27

Under
Choice-Based Credit System (CBCS)
Scheme of

NEP 2020

PROGRAMME CODE: B.A. Part I

Estd. 1971

Department of Hindi
GURU NANAK COLLEGE BUDHLADA
AN AUTONOMOUS COLLEGE
Email id: gncbudhlada@yahoo.co.in
Website: www.gncbudhlada.org

SYLLABI, OUTLINES OF PAPERS AND TESTS FOR

स्नातक - प्रथम

B.A. (Hindi) Part – I

Semester I & II

For Session 2025-2026,2026-2027

नोट

सभी विद्यार्थियों के लिए पेपरों का अंक विभाजन 70+30=100 रहेगा। इसमें 70 अंक का लिखित पेपर होगा तथा 30 अंक का आंतरिक मूल्यांकन होगा।

BA I (Semester I) Session 2025-26 Program Code: B.A. Part I					
Paper Code	**Name of the Paper**	**Internal**	**External**	**Total**	**Credits**
BAMJHIN1107T	हिन्दी साहित्य का इतिहास और व्याकरण-1	**30**	**70**	**100**	**4**
BAMNHIN1125T	हिन्दी साहित्य का इतिहास और व्याकरण-1	**30**	**70**	**100**	**4**
BAIDHIN1126T	हिन्दी काव्य	**30**	**70**	**100**	**3**
BASEHIN1127T	रचनात्मक लेखन	**30**	**70**	**100**	**3**

BA I (Semester II) Session 2025-26 Program Code: B.A. Part I					
Paper Code	**Name of the Paper**	**Internal**	**External**	**Total**	**Credits**
BAMJHIN1207T	हिन्दी साहित्य का इतिहास और व्याकरण-2	**30**	**70**	**100**	**4**
BAMNHIN1225T	हिन्दी साहित्य का इतिहास और व्याकरण-2	**30**	**70**	**100**	**4**
BAIDHIN1226T	हिन्दी कथा साहित्य	**30**	**70**	**100**	**3**
BASEHIN1227T	प्रयोजनमूलक हिन्दी	**30**	**70**	**100**	**3**

CONTINUOUS ASSESSMENT (THEORY PAPERS)

1	Two tests will be conducted during the semester. Both the tests will be considered for assessment.	60% of the marks allotted for Quantum assessment
2	Assignment/Quizzes	20% of the marks allotted for Quantum assessment
3	Attendance	10% of the marks allotted for Quantum assessment
4	Class participation and behavior	10% of the marks allotted for Quantum assessment

SEMESTER-1st

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME (HON'S WITHOUT RESEARCH) IN HINDI

For the Session 2024-2025,2025-2026

हिन्दी साहित्य का इतिहास और व्याकरण-1

Paper code: BAMJHIN1107T

MAJOR

समय- 3 घण्टे | कुल अंक-100

पास प्रतिशत – 35% | लिखित परीक्षा-70 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन - 30 अंक

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों की व्याकरण, भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. विद्यार्थियों को आदिकाल के साहित्य व भक्तिकालीन कवियों के काव्य से परिचित करवाना।
3. हिन्दी भाषा के विभिन्न रूपों तथा शब्द भण्डार से परिचय करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थी आदिकाल की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी आदिकाल के साहित्य व भक्तिकालीन कवियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड क

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास सामान्य परिचय, नामकरण, काल विभाजन। हिन्दी साहित्य का आदिकाल परिस्थितियां, प्रवृत्तियां और प्रमुख कवि।
2. पर्यायवाची शब्द, विपरीतार्थक शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, अनेकार्थक, भिन्नार्थक शब्द।

खण्ड ख

1.काव्य मंजूषा – सं. डॉ. सुधा जितेंद्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(केवल – अमीर खुसरो – पहेलियाँ (अंतर्लापिका शीर्षक के अंतर्गत केवल प्रथम 40), कबीर (प्रथम 05 रमैनी और केवल प्रथम 10 पद), तुलसीदास (बाल काण्ड और उत्तर काण्ड), मीराबाई (प्रथम 15 पद)

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।

2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।

3. प्रश्न पत्र के भाग एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्ड-क में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ दो प्रश्न हिन्दी साहित्य का इतिहास और दो प्रश्न व्याकरण में से पूछे जाएंगे। परीक्षक पाठ्यक्रम के खण्ड-क में निर्धारित व्याकरण से पूछे जाने वाले प्रश्नों को अधिकतम चार उपभागों में भी विभाजित कर सकते हैं। प्रश्न समग्र रुप से 12 अंकों का होगा। विद्यार्थियों को कुल दो प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे। (12 X 2 = 24)

4. प्रश्न पत्र का भाग दो

(क) इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। (12 X 1 = 12)

(ख) इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से सप्रसंग व्याख्या से संबंधित दो प्रश्न्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का विशेष ध्यान रखेंगे कि सप्रसंग व्याख्या के प्रत्येक प्रश्न के अन्तर्गत कम से कम दो व्याख्याएं अवश्य पूछी जाएंगी। प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। (12 X 1 = 12)

5. प्रश्न पत्र के भाग तीन में समूचे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के 11 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। (2 X 11 = 22)

सहायक पुस्तकें -

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, वासूदेव शरण, सूर्य भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. माध्यमिक हिन्दी व्याकरण, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, ओड़िशा।
5. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वरिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

Soray Rani

SEMESTER-1st

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME (HON'S WITHOUT RESEARCH) IN HINDI

HINDI

For the Session 2024-2025,2025-2026

हिन्दी साहित्य का इतिहास और व्याकरण-1

Paper code: BAMNHIN1125T

MINOR

समय- 3 घण्टे

पास प्रतिशत – 35%

कुल अंक-100

लिखित परीक्षा-70 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन - 30 अंक

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों की व्याकरण, भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. विद्यार्थियों को आदिकाल के साहित्य व भक्तिकालीन कवियों के काव्य से परिचित करवाना।
3. हिन्दी भाषा के विभिन्न रूपों तथा शब्द भण्डार से परिचय करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थी आदिकाल की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी आदिकाल के साहित्य व भक्तिकालीन कवियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड क

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास सामान्य परिचय, नामकरण, काल विभाजन। हिन्दी साहित्य का आदिकाल परिस्थितियां, प्रवृत्तियां और प्रमुख कवि।
2. पर्यायवाची शब्द, विपरीतार्थक शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, अनेकार्थक, भिन्नार्थक शब्द।

खण्ड ख

1.काव्य मंजूषा – सं. डॉ. सुधा जितेंद्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(केवल – अमीर खुसरो – पहेलियाँ (अंतर्लापिका शीर्षक के अंतर्गत केवल प्रथम 40), कबीर (प्रथम 05 रमैनी और केवल प्रथम 10 पद), तुलसीदास (बाल काण्ड और उत्तर काण्ड), मीराबाई (प्रथम 15 पद)

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।

2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।

3. प्रश्न पत्र के भाग एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्ड-क में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से 'अथवा' रूपी विकल्प के साथ दो प्रश्न हिन्दी साहित्य का इतिहास और दो प्रश्न व्याकरण में से पूछे जाएंगे। परीक्षक पाठ्यक्रम के खण्ड-क में निर्धारित व्याकरण से पूछे जाने वाले प्रश्नों को अधिकतम चार उपभागों में भी विभाजित कर सकते हैं। प्रश्न समग्र रुप से 12 अंकों का होगा। विद्यार्थियों को कुल दो प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे। (12 X 2 = 24)

4. प्रश्न पत्र का भाग दो

(क) इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। (12 X 1 = 12)

(ख) इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से सप्रसंग व्याख्या से संबंधित दो प्रश्न्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का विशेष ध्यान रखेंगे कि सप्रसंग व्याख्या के प्रत्येक प्रश्न के अन्तर्गत कम से कम दो व्याख्याएं अवश्य पूछी जाएंगी। प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। (12 X 1 = 12)

5. प्रश्न पत्र के भाग तीन में समूचे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के 11 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। (2 X 11 = 22)

सहायक पुस्तकें -

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, वासूदेव शरण, सूर्य भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. माध्यमिक हिन्दी व्याकरण, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, ओड़िशा।
5. हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, द्वरिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

Saroj Rani

SEMESTER-1st

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME (HON'S WITHOUT RESEARCH) IN

HINDI

For the Session 2025-2026,2026-2027

हिन्दी काव्य

Paper code: BAIDHIN1126T

IDC-1

समय- तीन घण्टे
पास प्रतिशत 35%

कुल अंक-100
लिखित परीक्षा-70 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन 30 अक
पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को साहित्य में आए परिवर्तनों से अवगत करवाना।
2. विद्यार्थियों को कवियों के काव्य से परिचित करवाना।
3. आधुनिक हिन्दी काव्य के नवीन रूपों तथा भाषा से परिचित करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थियों की हिन्दी काव्य में रुचि उत्पन्न होगी।
2. विद्यार्थी आधुनिक काव्य की प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
3. विद्यार्थी साहित्य के माध्यम से समाज की परिस्थितियों से अवगत होंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड-क

1.निर्धारित पुस्तक – काव्य पथ – सं. सुधा जितेन्द्र, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।

1. भारतेन्दु हरिशचन्द्र – निज भाषा गौरव, भारत दुर्दशा
2. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध – प्रिय प्रवास, संध्या वर्णन
3. माखन लाल चतुर्वेदी – पुष्प की अभिलाषा, कैदी और कोकिल।

खण्ड-ख

1.निर्धारित पुस्तक – मध्या – डॉ. रवि कुमार अनु, पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला

1. जायसी – नागमति वियोग खण्ड
2. सूरदास – वात्सल्य और माखन-चोरी
3. बिहारी – प्रथम 10 दोहे

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।

2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।

3. प्रश्न पत्र के भाग एक में पाठ्यक्रम के खण्ड-क में निर्धारित पुस्तक में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे। इस भाग की रुपरेखा निम्नानुसार होगी-

क- निर्धारित पुस्तक में से सप्रसंग व्याख्या (दो में से एक) (12X1= 12)

ख- निर्धारित पुस्तक से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न (दो में से एक) (12X1= 12)

4. प्रश्न पत्र के भाग दो में पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित पुस्तक में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से विद्यार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे। इस भाग की रूपरेखा निम्नानुसार होगी -

क- निर्धारित पुस्तक में से सप्रसंग व्याख्या (दो में से एक) (12X1=12)

ख- निर्धारित पुस्तक से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न (दो में से एक) (12X1=12)

5. प्रश्न पत्र के तीसरे भाग में 11 वस्तुनिष्ठ प्रश्न / लघु उत्तरीय प्रश्न बिना विकल्प के पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के दो अंक होंगे। (2 X 11=22)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

1. डॉ. वीणा श्रीवास्तव, डॉ दिनेश प्रसाद सिंह हिन्दी काव्य, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।

2. डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, हिन्दी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।

3. डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, हिन्दी के आधुनिक कवि. विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

4. नंद किशोर नवल, आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

SEMESTER-1st

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME (HON'S WITHOUT RESEARCH) IN

HINDI For the Session 2025-2026,2026-2027

रचनात्मक लेखन

Paper code: BASEHIN1127T

SEC-1

समय- तीन घण्टे

पास प्रतिशत-35%

कुल अंक-100

लिखित परीक्षा-70 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन-30 अंक

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य –

1. विद्यार्थियों को लेखन की नई दुनिया से अवगत करवाना।
2. विद्यार्थियों में रचनात्मकता और कल्पना को बढ़ावा देना
3. आत्म-अभिव्यक्ति और नए ज्ञान को प्राप्त करने की ओर अग्रसर करना।

अधिगम प्रतिफल –

1. विद्यार्थियों में भाषा की समझ और प्रयोग के प्रति अवगत होगे।
2. विद्यार्थियों में लेखन कौशल उत्पन्न होगा।
3. विद्यार्थियों में नई रचनाएं पढ़ने की जिज्ञासा उत्पन्न होगी।
4. विद्यार्थियों में मानवीय अनुभवों को साझा करने में निपुण होगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड-क

1. पत्र लेखन (सरकारी, गैर सरकारी, पारिवारिक)
2. निबंध लेखन (सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक विषयों पर आधारित)

खण्ड-ख

1. मीडिया लेखन विज्ञापन लेखन, समाचार लेखन।
2. संक्षेपिका, अपठित गद्यांश।

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।
2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।

3. प्रश्न पत्र के पहले भाग में पाठ्यक्रम के खण्ड-क में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे. जिनमें से दो पश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छह अंकों का होगा। (12 X 2=24)

4. प्रश्न पत्र के दूसरे भाग में पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रक का उत्तरं देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छह अंकों का होगा। (12X2-24)

5. प्रश्न पत्र के तीसरे भाग में 11 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/लघु उत्तरीय प्रश्न दिना विकल्प के पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। (2 X11=22)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

1. रमेश गौतम तथा अन्य, रचनात्मक लेखन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

2. चन्द्र प्रकाश मिश्र, मीडिया लेखनः सिद्धांत और व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली।

3. विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दीं. वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

4. माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिन्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

SEMESTER -2nd

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME (HON'S WITHOUT RESEARCH) IN HINDI

For the Session 2025-2026,2026-2027

हिन्दी साहित्य का इतिहास और व्याकरण 2

Paper code: BAMJHIN1207T

MAJOR

समय- 3 घण्टे | कुल अंक-100

पास प्रतिशत-35% | लिखित परीक्षा-70 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों की व्याकरण, भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. विद्यार्थियों को भक्तिकाल के साहित्य व छायावादी कवियों के काव्य से परिचित करवाना।
3. हिन्दी भाषा व व्याकरण के विभिन्न रूपों तथा शब्द भण्डार से परिचय करवाना।

अधिगम प्रतिफल

1. विद्यार्थी भक्तिकाल की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी भक्तिकाल के साहित्य व छायावादी कवियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड क

1. भक्तिकाल सामान्य परिचय, परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, प्रमुख कवि – कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास
2. लिंग, वचन, उपसर्ग, प्रत्यय
3. शब्द भंडार तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी (केवल सैद्धांतिक)

खण्ड ख

1. मैथिलीशरण गुप्त – सखि वे मुझसे कह कर जाते, नर हो न निराश करो मन को।
2. सुमित्रानंदन पंत – ताज, मौन निमंत्रण।
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – भिक्षुक, जागो फिर एक बार।
4. केदारनाथ सिंह – फाल्गुन का गीत, शारदप्रातः

कौशल

Saroj Rani

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।

2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।

3. प्रश्न पत्र के भाग एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्ड-क में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से 'अथवा' रुपी विकल्प के साथ दो प्रश्न हिन्दी साहित्य का इतिहास और दो प्रश्न व्याकरण में से पूछे जाएंगे और परीक्षक पाठ्यक्रम के खण्ड-क में निर्धारित व्याकरण से पूछे जाने वाले प्रश्नों को अधिकतम चार उपभागों में भी विभाजित कर सकते हैं। प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। विद्यार्थियों को कुल दो प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे। (12×2=24)

4. प्रश्न पत्र का भाग दो

(i) इस भाग के अंन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित कवियों से संबंधित दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। (12×1=12)

(ii) इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित कवियों से संबंधित सप्रसंग व्याख्या से संबंधित दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का विशेष ध्यान रखेंगे कि सप्रसंग व्याख्या के प्रत्येक प्रश्न के अन्तर्गत कम से कम दो व्याख्याएं अवश्य पूछी जाएंगी। प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। (12 X1 = 12)

5. प्रश्न पत्र के भाग तीन में समूचे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के 11 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। (2X11=22)

सहायक पुस्तकें -

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, वासूदेव शरण, सूर्य भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. माध्यमिक हिन्दी व्याकरण, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, ओड़िशा।
5. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, द्वरिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

Saroj Rani

SEMESTER -2nd

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME (HON'S WITHOUT RESEARCH) IN

HINDI

For the Session 2025-2026,2026-2027

हिन्दी साहित्य का इतिहास और व्याकरण 2

Paper code: BAMNHIN1225T

MINOR

समय- 3 घण्टे | कुल अंक-100

पास प्रतिशत-35% | लिखित परीक्षा-70 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों की व्याकरण, भाषा एवं साहित्य के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

2. विद्यार्थियों को भक्तिकाल के साहित्य व छायावादी कवियों के काव्य से परिचित करवाना।

3. हिन्दी भाषा व व्याकरण के विभिन्न रूपों तथा शब्द भण्डार से परिचय करवाना।

अधिगम प्रतिफल

1. विद्यार्थी भक्तिकाल की प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।

2. विद्यार्थी भक्तिकाल के साहित्य व छायावादी कवियों से परिचित होंगे।

3. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान बढ़ेगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड क

1. भक्तिकाल सामान्य परिचय, परिस्थितियां, प्रवृत्तियां, प्रमुख कवि – कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास

2. लिंग, वचन, उपसर्ग, प्रत्यय

3. शब्द भंडार तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी (केवल सैद्धांतिक)

खण्ड ख

1.मैथिलीशरण गुप्त – सखि वे मुझसे कह कर जाते, नर हो न निराश करो मन को।

2. सुमित्रानंदन पंत – ताज, मौन निमंत्रण।

3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – भिक्षुक, जागो फिर एक बार।

4. केदारनाथ सिंह – फाल्गुन का गीत, शारदप्रातः

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।

2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।

3. प्रश्न पत्र के भाग एक में पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्ड-क में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से 'अथवा' रुपी विकल्प के साथ दो प्रश्न हिन्दी साहित्य का इतिहास और दो प्रश्न व्याकरण में से पूछे जाएंगे और परीक्षक पाठ्यक्रम के खण्ड-क में निर्धारित व्याकरण से पूछे जाने वाले प्रश्नों को अधिकतम चार उपभागों में भी विभाजित कर सकते हैं। प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। विद्यार्थियों को कुल दो प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे। (12×2=24)

4. प्रश्न पत्र का भाग दो

(i) इस भाग के अंन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित कवियों से संबंधित दो आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। (12×1=12)

(ii) इस भाग के अन्तर्गत पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित कवियों से संबंधित सप्रसंग व्याख्या से संबंधित दो प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। परीक्षक इस बात का विशेष ध्यान रखेंगे कि सप्रसंग व्याख्या के प्रत्येक प्रश्न के अन्तर्गत कम से कम दो व्याख्याएं अवश्य पूछी जाएंगी। प्रश्न समग्र रूप से 12 अंकों का होगा। (12 X1 = 12)

5. प्रश्न पत्र के भाग तीन में समूचे पाठ्यक्रम से बिना विकल्प के 11 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। (2X11=22)

सहायक पुस्तकें -

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।

2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सम्पादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, वासूदेव शरण, सूर्य भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. माध्यमिक हिन्दी व्याकरण, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, ओड़िशा।

5. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, द्वरिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

SEMESTER-2nd

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME (HON'S WITHOUT RESEARCH) IN

HINDI

For the Session 2025-2026,2026-2027

हिन्दी कथा साहित्य

Paper code: BAIDHIN1226T

IDC - 2

समय- तीन घण्टे	कुल अंक-100
पास प्रतिशत-35%	लिखित परीक्षा-70 अंक
	आन्तरिक मूल्यांकन-30 अंक
	पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों की हिन्दी उपन्यास और हिन्दी कहानी के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
2. गद्य विधा उपन्यास और कहानी का परिचय प्राप्त करवाना।
3. हिन्दी के प्रमुख साहित्यकारों का परिचय प्राप्त करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थियों की हिन्दी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ेगी।
2. विद्यार्थियों का बौद्धिक और सामाजिक ज्ञान विकसित होगा।
3. भारतीय जीवन की समस्याओं से परिचित होंगे।
4. सामाजिक कुरीतियों से अवगत करवाना।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड-क

1. निर्धारित कहानियाँ –

   (क) माधवराव सप्रे – एक टोकरी भर मिट्टी

   (ख) प्रेमचंद – ईदगाह

   (ग) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था

   (घ) भीष्म साहनी – चीफ की दावत

खण्ड-ख

1 निर्धारित कृति - ग्लोबल गांव के देवता (उपन्यास) रणेन्द्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1. यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।

2. पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।

3. प्रश्न पत्र के भाग एक में पाठ्यक्रम के खण्ड-क में निर्धारित कृति में से कुल चार प्रश्न पूडे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे। इस भाग को रूपरेखा निम्नानुसार होगी-

क- निर्धारित कृति में से सप्रसंग व्याख्या (दो में से एक) (12X1=12)

ख- निर्धारित कृति से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न (दो में से एक) (12X1=12)

4. प्रश्न पत्र के भाग दो में पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में निर्धारित कृति में से कुल चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे। इस भाग की रूपरेखा निम्नानुसार होगी-

क- निर्धारित कृति में से सप्रसंग व्याख्या (दो में से एक) (12X1=12)

ख- निर्धारित कृति से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न (दो में से एक) (12X1=12)

5. प्रश्न पत्र के तीसरे भाग में 11 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/लघु उत्तरीय प्रश्न बिना विकल्प के पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। (2X11-22)

सहायक पुस्तकें

1. मधुरेश. हिन्दी उपन्यास का विकास, राजकमल प्रकाशन. दिल्ली।

2. गोपाल राय, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

3. इन्दनाथ मदान, हिन्दी उपन्यासः पहचान और परख।

4. मधुरेश, हिन्दी कहानी का विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

SEMESTER-2nd

MULTIDISCIPLINARY UG PROGRAMME (HON'S WITHOUT RESEARCH) IN HINDI

For the Session - 2025-2026,2026-2027

प्रयोजनमूलक हिन्दी

Paper code: BASEHIN1227T

SEC-2

समय- तीन घण्टे | कुल अंक-100

पास प्रतिशत-35% | लिखित परीक्षा-70 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

पास अंक – लिखित 24, आंतरिक में 11

उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों को हिन्दी की प्रयोजनीयता से परिचित करवाना।
2. विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के इतिहास से अवगत करवाना।
3. विद्यार्थियों को भाषा के सिद्धान्त से परिचित करवाना।

अधिगम प्रतिफल :-

1. विद्यार्थी हिन्दी के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थियों को जनसंचार के विभिन्न माध्यमों के बारे में जानकारी प्राप्त होगी।
3. विद्यार्थी हिन्दी भाषा में रोज़गार की सम्भावनाओं से अवगत होंगे।

निर्धारित पाठ्यक्रम

खण्ड-क

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं।
2. पारिभाषिक शब्दावली-परिभाषा, विशेषताएँ।
3. निर्धारित पारिभाषिक शब्दावली (पृष्ठ संख्या-41 से 67 तक) निर्धारित पुस्तक प्रयोजनमूलक हिन्दी. माधय सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन दिल्ली।

खण्ड-ख

1. कार्यालयी हिन्दी के प्रमुख प्रकार्य प्रारूपण, टिप्पण
2. हिन्दी कम्प्यूटिंग कम्प्यूटर का परिचय, हिन्दी के विभिन्न सॉफ्टवेयर और फाण्ट

Saroj Rani

विद्यार्थियों और परीक्षकों के लिए आवश्यक निर्देश

1 यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभक्त किया जाएगा।

2 पाठ्यक्रम के सभी खण्डों में से प्रश्न पूछे जाएंगे।

3 प्रश्न पत्र के पहले भाग में पाठ्यक्रम के खण्ड-क में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छह अंकों का होगा। (12X2=24)

4. प्रश्न पत्र के दूसरे भाग में पाठ्यक्रम के खण्ड-ख में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से दो प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न छह अंकों का होगा। (12X2=24)

5. प्रश्न पत्र के तीसरे भाग में 11 वस्तुनिष्ठ प्रश्न्न/लघु उत्तरीय प्रश्न चिन्ना विकल्प के पूछे जाए प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। (11X2=22)

अध्ययन के लिए सहायक पुस्तकें

1. विनोद गोदरे, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

2. माधव सोनटक्के, प्रयोजनमूलक हिन्दी.. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. अम्बादास देशमुख, प्रयोजनमूलक हिन्दी अधुनातन आयाम, शैलजा प्रकाशन, कानपुर।